हिन्दी

अध्याय-8: यह सबसे कठिन समय नहीं

SHIVOM CLASSES
8696608541

-जया जादवानी

काव्यांश

नहीं, यह सबसे कठिन समय नहीं!
अभी भी दबा है चिड़िया की
चोंच में तिनका
और वह उड़ने की तैयारी में है!
अभी भी झरती हुई पत्ती
थामने को बैठा है हाथ एक

भावार्थ

उपरोक्त पंक्तियों में कवयित्री कहती हैं।अभी भी इतना कठिन समय नहीं आया है क्योंकि अभी भी चिड़िया अपनी चोंच में घास का तिनका दबा कर उड़ने की तैयारी कर रही है। यानी चिड़िया को विश्वास है कि वह एक-एक तिनका जमा कर एक दिन अवश्य अपना घोंसला बना लेगी। इसीलिए दिन - रात चाहे परिस्थितियां कैसी भी क्यों न हो , अथक मेहनत कर अंततः वह अपना घोंसला बना ही लेती है।

अगली पंक्तियों में कवयित्री कहती हैं कि पतझड़ में गिरते हुए सूखे पत्तों को उठाने के लिए लोग अभी भी अपना हाथ बढ़ाते ही है। कवयित्री यहां पर यह कहना चाहती है कि जब तक इस दुनिया में बेबस , बेसहारा और बुजुर्ग लोगों को सहारा देने के लिए लोग अपना हाथ आगे बढ़ाते रहेंगे।

यानि इस दुनिया में अभी भी ऐसे लोग मौजूद हैं जो दूसरों की मदद करने के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। तब तक दुनिया में कठिन समय नहीं आ सकता है

काव्यांश

अभी भी भीड़ है स्टेशन पर
अभी भी एक रेलगाड़ी जाती है
गंतव्य तक
जहाँ कोई कर रहा होगा प्रतीक्षा
अभी भी कहता है कोई किसी को
जल्दी आ जाओ कि अब
सूरज डूबने का वक्त हो गया

भावार्थ

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

उपरोक्त पंक्तियों में कवयित्री कहती है कि अभी भी रेलवे स्टेशनों में भीड़-भाड़ है और रेलगाड़ी लोगों को एक गंतव्य से दूसरे गंतव्य तक पहुंचाने के लिए तैयार हैं और लोगों को यह भी उम्मीद है कि दूसरे गंतव्य पर कोई न कोई उनकी प्रतीक्षा अवश्य कर रहा होगा। यानि जब तक हमें यह उम्मीद है कि हम एक स्थान से दूसरे स्थान तक सुरक्षित पहुंच जाएंगे और दूसरे स्थान पर कोई ना कोई हमारा अपना परिजन या सगा संबंधी अवश्य हमारी प्रतीक्षा कर रहा होगा। तब तक कठिन समय नहीं आ सकता।

जब तक हमारे घर में हमारी प्रतीक्षा करने वाला कोई हमारा अपना हमारा करीबी मौजूद है और जो घर से बाहर निकलते समय हमसे कहे कि शाम को सूरज ढलने से पहले घर अवश्य आ जाना। यानि जब तक हमारे अपने लोग हमारे साथ मौजूद हैं। और हमारी परवाह करते हैं। कठिन परिस्थितियों में हमारा साथ देते हैं और हमारी समस्याओं को कम करने का प्रयास करते हैं। तब तक हमारे जीवन में कठिन समय नहीं आ सकता।

काव्यांश

अभी कहा जाता है
उस कथा का आखिरी हिस्सा
जो बूढ़ी नानी सुना रही सदियों से
दुनिया के तमाम बच्चों को
अभी आती है एक बस
अंतरिक्ष के पार की दुनिया से
लाएगी बचे हुए लोगों की खबर!
नहीं , यह सबसे कठिन समय नहीं।

भावार्थ

उपरोक्त पंक्तियों में कवयित्री यह कहती हैं कि जब तक हमारे समाज में दादी-नानी कहानियों सुनती रहेगी , जो वो हमें सदियों से सुनाती आ रही हैं और आगे आने वाली पीढ़ियों को भी सुनाती रहेंगी।

जब तक वो बच्चों को यह बताती रहेंगी कि अंतरिक्ष के पार भी एक दुनिया है जहां पर लोग बसते हैं और वो कभी न कभी हमसे मिलने जरूर आएंगे या उनकी खबर हमें जरूर मिलेगी और बच्चे भी उन कहानियों पर विश्वास करते रहेंगे। तब तक हमारे जीवन में कठिन समय नहीं आ सकता।

यानि हमारे समाज में जब तक हमारे बड़े -बुजुर्ग अपना अनुभव हमसे बांटते रहेंगे। हमारा मार्गदर्शन करते रहेंगे , तब तक हमारे जीवन में कठिन समय नहीं आ सकता।

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

NCERT SOLUTIONS

पाठ से प्रश्न (पृष्ठ संख्या 46-47)

प्रश्न 1 "यह कठिन समय नहीं है?" यह बताने के लिए कविता में कौन-कौन से तर्क प्रस्तुत किए गए हैं? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- यह कठिन समय नहीं है क्योंकि अभी चिड़िया की चोंच में तिनका दबा हुआ है। वह उड़ने के लिए तैयार बैठी है। पेड़ से झरती हुई पत्ती को सहारा देने वाला हाथ अभी उसे सहारा दे रहा है। गाड़ी अपने गंतव्य तक जा रही है और बूढ़ी नानी अतंरिक्ष के पार की कहानी सुना रही है। उसके अनुसार कोई आएगा और वहाँ के लोगों की खबर लाएगा।

प्रश्न 2 चिड़िया चोंच में तिनका दबाकर उड़ने की तैयारी में क्यों है? वह तिनकों का क्या करती होगी? लिखिए।

उत्तर- चिड़िया चोंच में तिनका दबाकर इसलिए उड़ने की तैयारी कर रही है जिससे कि वह सूरज डूबने से पहले अपना घोंसला बना ले। इसके अलावा वह तिनकों से अपने घोंसले को सही करती होगी या अपने बच्चों के लिए नया घंसला बनाती होगी।

प्रश्न 3 कविता में कई बार 'अभी भी' का प्रयोग करके बातें रखी गई हैं, अभी भी का प्रयोग करते हुए तीन वाक्य बनाइए और देखिए उनमें लगातार, निरंतर, बिना रुके चलने वाले किसी कार्य का भाव निकल रहा है या नहीं?

उत्तर-

- पानी अभी भी बरस रहा है।
- बच्चे अभी भी खेल रहे हैं।
- अध्यापक अभी भी पढ़ा रहे हैं।

प्रश्न 4 नहीं और अभी भी को एक साथ प्रयोग करके तीन वाक्य लिखिए और देखिए 'नहीं' 'अभी भी' के पीछे कौन-कौन से भाव छिपे हो सकते हैं?

उत्तर-

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

- नहीं, अभी भी बच्चा सो रहा है।
- नहीं, अभी भी परीक्षाएं चल रही हैं।
- नहीं, वह अभी भी खाना खा रहा है।

कविता से आगे प्रश्न (पृष्ठ संख्या 47)

प्रश्न 1 घर के बड़े-बूढ़ों द्वारा बच्चों को सुनाई जाने वाली किसी ऐसी कथा की जानकारी प्राप्त कीजिए जिसके आखिरी हिस्से में कठिन परिस्थितियों से जीतने का संदेश हो।

उत्तर- बच्चे अपने दादा-दादी के द्वारा सुनाई गई या किताबों से पढ़ी कोई प्रेरणादायक कहानी को पढ़कर जानकारी प्राप्त करेंगे।

प्रश्न 2 आप जब भी घर से स्कूल जाते हैं कोई आपकी प्रतीक्षा कर रहा होता है। सूरज डूबने का समय भी आपको खेल के मैदान से घर लौट चलने की सूचना देता है कि घर में कोई आपकी प्रतीक्षा कर रहा है। प्रतीक्षा करने वाले व्यक्ति के विषय में आप क्या सोचते हैं? अपने विचार लिखिए।

उत्तर- प्रतीक्षा करने वाले व्यक्ति के बारे में हम सोचते हैं कि ये बेकार हमारी प्रतीक्षा कर रहा था। मगर यह नहीं जानते कि उसको हमारी कितनी चिंता हैं।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)